



एग्री आर्टिकल्स

(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)

वर्ष: 02, अंक: 02 (मार्च-अप्रैल, 2022)

www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध

© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

ऊंटनी का दूध: मानव उपयोग के लिए वैकल्पिक दूध

(*अंजली जीनगर¹ एवं भगवती बरंडा²)

¹सहा. बीज प्रमा. अधिकारी, राज. राज्य बीज एवं जैविक प्रमा. संस्था, जोधपुर

²कृषि अधिकारी, कृषि विभाग, राजस्थान

* anjali.jingar.12.4@gmail.com

ऊंट रेगिस्तानी पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण पशु घटक है अपनी अनूठी जैव-शारीरिक विशेषताओं के साथ, ऊंट शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में रहने के चुनौतीपूर्ण तरीकों के अनुकूलन का प्रतीक बन गया है। रेगिस्तान के लौकिक जहाज ने रेगिस्तान में परिवहन और मसौदा शक्ति के एक साधन के रूप में अपनी अपरिहार्यता के कारण अपना विशेष नाम अर्जित किया है और भी बहुत उपयोगिताएं हैं एवम निरंतर सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों के अधीन हैं। ऊंट दुनिया के कई शुष्क और अर्ध-शुष्क हिस्सों में महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक महत्व रखता है और इसका दूध इन क्षेत्रों में मानव आहार का एक महत्वपूर्ण घटक है। कई अफ्रीकी और एशियाई देशों में पशुपालकों के लिए ऊंट का दूध अभी भी सबसे महत्वपूर्ण पोषण स्रोत है। ऊंट ऐसे वातावरण में अन्य प्रजातियों की तुलना में उच्च पोषण गुणवत्ता वाले और लंबी अवधि के लिए अधिक दूध का उत्पादन करते हैं, जिसे अत्यधिक तापमान, सूखे और चारागाह की कमी के संदर्भ में प्रतिकूल कहा जा सकता है।

ऊंटनी के दूध की संरचना

ऊंट का दूध आम तौर पर एक अपारदर्शी सफेद रंग होता है। और इसमें हल्की मीठी गंध होती है, लेकिन तेज स्वाद का होता है, कभी-कभी यह नमकीन भी हो सकता है। ऊंट के दूध के घटकों की औसत मात्रा 3.1% प्रोटीन है; वसा 3.5%; लैक्टोज 4.4%; राख 0.79%, और कुल ठोस 11.9%। ऊंटनी के दूध में सबसे महत्वपूर्ण कारक पानी की मात्रा होती है। कुल ठोस सामग्री मानव दूध के समान है।

1. प्रोटीन

ऊंटनी के दूध के प्रोटीन को दो समूहों में विभाजित किया जा सकता है: कैसिन और वे प्रोटीन। ये प्रोटीन ऊंटनी के दूध के महत्वपूर्ण घटक हैं और इनके अलग-अलग कार्य हैं। ऊंट के दूध में लाइसिन, ग्लाइसिन, थ्रेओनीन और वेलिन को छोड़कर अमीनो एसिड की मात्रा और प्रकार अधिक होता है। ऊंट के दूध में सबसे महत्वपूर्ण प्रोटीन वे प्रोटीन होता है, जिसमें एल्ब्यूमिन, लैक्टोफेरिन, इम्युनोग्लोबुलिन आदि होते हैं।

2. वसा, लैक्टोज, विटामिन और खनिज

ड्रोमेडरी ऊंटनी के दूध में वसा की मात्रा 1.2% और 6.4 के बीच होती है। ऊंट के दूध में खनिज श्रृंखला फैटी एसिड कम होते हैं, लेकिन लंबी श्रृंखला फैटी एसिड की मात्रा अधिक होती है। ऊंटनी के दूध में

लिनोलिक एसिड और अनसैचुरेटेड फैटी एसिड की मात्रा भी अधिक होती है, जो पोषण के लिए जरूरी है। ऊंटनी के दूध में विभिन्न समूहों के बहुत सारे विटामिन होते हैं: वसा और पानी में घुलनशील, जैसे विटामिन ए, ई, डी, और बी, और विशेष रूप से विटामिन सी। ऊंट का दूध खनिजों का एक अच्छा स्रोत है, विशेष रूप से कैल्शियम और कलियम।

मानव स्वास्थ्य के लिए ऊंटनी का दूध

ऊंट का दूध, बहुत लोगों द्वारा सदियों से औषधीय रूप से उपयोग किया जाता है और पिछले बीस वर्षों में कई अध्ययनों ने मानव रोग के उपचार में ऊंट के दूध के उपयोग की सूचना दी है। ऊंटनी के दूध और किण्वित दूध उत्पादों का उपयोग पेट और आंतों के रोगों के लिए औषधि के रूप में किया जा सकता है। ये औषधीय गुण ऊंट के दूध में रोगाणुरोधी पदार्थों की उपस्थिति के कारण है, जिसमें लाइसोजाइम, हाइड्रोजन पेरोक्साइड, लैक्टोफेरिन, लैक्टोपरोक्सीडेज और इम्युनोग्लोबुलिन शामिल हैं।

पहले भी लोगो को ऊंट के दूध को उपचार रूपी गुणों के बारे में बहुत अधिक अनुभव था और इसका उपयोग मनुष्यों में कई स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के लिए किया गया जा रहा है। इसके अलावा यह भी देखा गया है कि लैक्टोपरोक्सीडेज ऊंट का दूध ग्राम-पॉजिटिव स्ट्रेन के खिलाफ बैक्टीरियोस्टेटिक गतिविधि के रूप में और ग्राम-नकारात्मक स्ट्रेन के खिलाफ जीवाणुनाशक के रूप में कार्य करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ऊंट के दूध में एंटीबायोटिक कैंसर, एचआईवी/एड्स, अल्जाइमर रोग और हेपेटाइटिस सी के खिलाफ प्रभावी हो सकती हैं। ऊंट के दूध में लैक्टोफेरिन की मात्रा थोड़ी अधिक होती है, जो एचसीवी संक्रमण के खिलाफ प्राथमिक जैव प्रौद्योगिकी दवा के रूप में कार्य करता है। शोध के माध्यम से यह देखा गया है कि ऊंट के दूध का ऑटिज्म रोग में चिकित्सीय प्रभाव होता है क्योंकि ऊंट के दूध में वो दो कैसिडिन नहीं होते हैं जो गाय का दूध पीते समय ऑटिज्म के लक्षण पैदा करते हैं। वैज्ञानिक अध्ययन से यह निष्कर्ष निकला है कि बहुऔषध प्रतिरोधी तपेदिक के रोगी द्वारा ऊंटनी के दूध के सेवन से लक्षणों में उल्लेखनीय सुधार होता है। इस प्रकार ऊंट का दूध मानव जाति के लिये अन्य पेय दूध के भांति वैकल्पिक दूध के रूप में अच्छा स्तोत्र है।

